हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 15 जुलाई, 2025

11 शहीदों की याद में पौधरोपण व वितरण एक बहुत अच्छी...

12 सरसों तेल के दाम बढ़ाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन ....

वर्धमान ज्वैलर्स
सोने व चांदी के आधुनिक आभूषणों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान
ब्रांच : नज़दीक के एम स्कूल, हांसी गेट ✆ 9215657444 शोरूम : घंटाघर बाजार ✆ 9215656444

सचिन जैन
संचालक

खबर संक्षेप

पीपीपी में से वाहन एंट्री हटवाने को करें आवेदन

चरखी दादरी। जिला के नागरिक परिवार पहचान पत्र में दर्ज गलत वाहन की जानकारी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटवाना चाहते हैं, ऐसे मामलों में सीधे एडीसी कार्यालय में आने के बजाए अपने नजदीक किसी भी मान्यता प्राप्त कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) से ऑनलाइन आवेदन करें। सीएससी सेंटरों में यह सुविधा उपलब्ध है व निर्धारित ऑनलाइन आवेदन के बाद स्वतः कुछ समय बाद वाहन पीपीपी से हटा जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल ने जिला वासियों से आह्वान किया कि इस कार्य के लिए एडीसी कार्यालय या अन्य किसी सरकारी कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं है।

बायोगैस संयंत्रों की स्थापना पर मिलेगी 40% सब्सिडी

चरखी दादरी। हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के सहयोग से बायोगैस उपयोग कार्यक्रम को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तेजी से प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। बायोगैस एक स्वच्छ, प्रदूषण रहित, धुंआ रहित और किफायती ईंधन है, जो 55 से 70 प्रतिशत मीथेन गैस से भरपूर होता है। इसे गोबर गैस संयंत्र के माध्यम से पशुओं के गोबर और जैविक पदार्थों से उत्पन्न किया जाता है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा है कि हरियाणा में लगभग 7.6 मिलियन पशुधन है, जिससे प्रतिदिन लगभग 3.8 मिलियन घन मीटर बायोगैस उत्पन्न करने की क्षमता है, जो लगभग 300 मेगावाट विद्युत उत्पादन में सहायक हो सकती है।

पानी की निकासी के सही व पुख्ता इंतजाम नहीं होने से फसलों पर संकट

बड़ेसरा व आसपास की 500 एकड़ में रोपी गई धान की फसल डूबी

सबसे बुरी स्थिति गांव बड़ेसरा के खेतों की बनी है। वहां पर ढाई से तीन फुट तक बारिश का पानी जमा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

समय पर मॉनसून आने से हर कोई राहत महसूस कर रहा था,लेकिन ज्यादा बारिश ने किसानों के खेतों का गणित गड़बड़ा दिया। पानी की निकासी के सही व पुख्ता इंतजाम न होने से खेतों में जमा पानी की निकासी नहीं हो पाई। हालात ये बने है कि गांव बड़ेसरा के करीब पांच सौ एकड़ में रोपी गई धान की फसल पानी में डूब गई। इस गांव के खेतों में करीब ढ़ाई से तीन फुट तक बारिश का पानी जमा है। यही हालात बड़ेसरा व आसपास गांवों के किसानों की बनी है। वहां पर भी पानी की निकासी न होने से धान की फसल पूरी तरह से डूबी हुई है। अगर यही हालत रहे तो उक्त इलाके के किसानों को धान की फसल से हाथ धोने पड़ सकते है।

सबसे बुरी स्थिति गांव बडेसरा के खेतों की बनी है। वहां पर ढाई से तीन फुट तक बारिश का पानी जमा है। ज्यादा पानी जमा होने की वजह से इन खेतों में धान की फसल पानी में डूब गई। पानी ज्यादा रहा तो धान की फसल पानी में गलने लगेगी। अगर पानी तीन चार दिनों तक इसी तरह रहा तो धान की पौध पूरी तरह से गल जाएगी।

धान ही नहीं कपास व ज्वार की फसल भी पूरी तरह से खराब होने की आंशका बन गई है। बडेसरा के अलावा आसपास के गांवों में भी इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। वहां पर भी दो फुट से ढाई फुट तक बारिश का पानी जमा है। इन गांवों में भी धान की फसल खतम होने की कगार पर पहुंच गई है।

■ धान ही नहीं कपास व ज्वार की फसल भी पूरी तरह से खराब होने की आंशका

अतिरिक्त पम्पसेट की जरूरत: बताया जा रहा है कि खेतों में जमा पानी की निकासी के लिए अनेक पम्पसेट लगाए गए है,लेकिन ज्यादा बारिश की वजह से खेतों में ज्यादा पानी जमा है। पानी की निकासी का कार्य जारी है,लेकिन जिस हिसाब से पानी जमा है। उस हिसाब से अतिरिक्त पम्पसेट लगाए जाने निहायत जरूरी है। जब तक अतिरक्त पम्पसेट नहीं लगाए गए तो इन गांवों में पानी जमा रहेगा और फसलों का बचना नामुमकिन हो जाएगा।

हरियाणा कांग्रेस सेवा दल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कादियान ने मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द किसानों को उचित मुआवजा दे और उनके खेतों से बरसाती पानी की निकासी के लिए प्रभावी प्रबंध करे ताकि उन्हें आर्थिक मार से बचाया जा सके। अशोक कादियान ने कहा कि किसानों के हित एवं उत्थान के लिए कार्य करने व उनकी प्रत्येक समस्या का समाधान करने का झूठा ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा सरकार की असलियत जमीनी स्तर पर देखी जा सकती है। जब सरकार के झूठे दावों व किसान विरोधी मंशा के चलते मानसून का सीजन शुरू होते खेत बरसाती पानी से लबालब है, क्योंकि सरकार व प्रशासन द्वारा खेतों से बरसाती पानी की निकासी के लिए कोई प्रबंध नहीं किए। जिसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। कादियान ने कहा कि प्रदेश के किसान पहले से ही कई मुश्किलों का सामना कर रहे हैं और अब जलभराव की समस्या ने उनकी कमर तोड़ दी है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह तुरंत प्रभाव से खेतों से बरसाती पानी की निकासी के लिए उचित प्रबंध करे तथा जलभराव से बर्बाद हुई फसलों के लिए किसानों को उचित मुआवजा भी दें।

भिवानी। शिलान्यास के बाद ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक सुनील सांगवान।

विधायक ने बौंदकलां में फसल खरीद केंद्र का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

■ चार एकड़ में 2.43 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण

■ किसानों को उत्पाद बेचने के लिए दूर शहर में नहीं जाना पड़ेगा

विधायक सुनील सांगवान ने कस्बा बौंदकलां में सोमवार को फसल खरीद केंद्र का नारियल तोड़कर शिलान्यास किया। शिलान्यास के बाद उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खरीद केंद्र बनने से किसानों को अपना उत्पाद बेचने के लिए दूर शहर में नहीं जाना पड़ेगा। खरीद केंद्र इसी साल बन जाएगा और आगामी रबी फसलों की खरीद बौंद कलां में ही होगी। विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि मार्केटिंग बोर्ड द्वारा चार एकड़ में तैयार होने वाले इस फसल खरीद केंद्र पर लगभग 2.43 करोड़ रूपये खर्च होंगे। खरीद केंद्र में सड़क, पेयजल आपूर्ति आदि व्यवस्था मुहैया करवाई जाएगी। विधायक ने मौके पर लोगों की समस्याएं सुनी और निदान बारे अधिकारियों को निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए प्रयासरत है। पार्षद से लेकर विधायक और केंद्रीय मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सभी जनप्रतिनिधि तालमेल के साथ कार्य कर रहे हैं, जिनका फायदा आमजन को मिल रहा है। विकास कार्यों को लेकर हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सीधे रूप से आमजन को मिल रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सीटीएम जितेंद्र कुमार, मार्केट कमेटी के एक्सईएन अजय राठी, सचिव विजय कुमार, एसडीओ प्रदीप देशवाल व जेई राजेंद्र रंगा के अलावा आसपास के गांवों के सरपंच भी मौजूद रहे।

350 करोड़ के बीमा घोटाले के विरोध में अनिश्चितकालीन पड़ाव कल से

भिवानी। 350 करोड़ रुपये कपास खरीफ फसल घोटाले की न्यायिक जांच करवाने और किसानों को ब्याज सहित बीमा दिलाने के लिए जिला सचिव मास्टर जगरोशन व रामपाल सिंघानी के नेतृत्व में मुगल बडदू, नई बड़दू, धीरजा बड़दू, चैना बड़दू, भुगंला, ढाणी लक्ष्मण, ढिंगावा, झुम्पाकलां, बारवास, बसीरवास व ढाणी ढोला में किसानों से 16 जुलाई से शुरू हो रहे महापड़ाव में शामिल होने के लिए संपर्क साधा व रणनीति बनाई।

■ घोटाले में लोहारु के किसानों की 190 करोड़ रुपये की लूट हुई

मास्टर जगरोशन ने बताया कि कि घोटाले में लोहारु के किसानों की 190 करोड़ रुपये की लूट हुई है। इसी प्रकार रबी फसल 2022-23 में सरसों की फसल पाले के कारण नष्ट हो गई थी। राजस्व विभाग ने 318 करोड़ रुपये का मुआवजा तैयार किया और हरियाणा सरकार ने 10 करोड़ 64 लाख रुपये देकर पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि लोहारु में फरवरी 2025 को हुई ओलावृष्टि का मुआवजा अभी तक तैयार नहीं हुआ है। खाद की किल्लत, नकली बीज व नकली दवाई, बकाया टयूबवेल कनेक्शन जारी करना, किसान क्रेडिट कार्ड के पिछले दो साल की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा जारी न करना, टावर लाइनों व गैस पाइप लाइन का उचित मुआवजा न मिलने से किसानों में आक्रोश है।

सीईटी परीक्षा

शहर और आसपास के क्षेत्र में 35 जगहों पर 56 परीक्षा केंद्र बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ बिजली, पानी, शौचालय आदि मूलभूत सुविधाएं होने के साथ-साथ चार दीवार से सुरक्षा व्यवस्था होना भी जरूरी : उपायुक्त

डीसी साहिल गुप्ता ने रोड़वेज, शिक्षा विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप-सी की कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा को निष्पक्ष तथा पारदर्शी ढंग से सक्वपन्न करवाने के लिए भिवानी में 35 लोकेशन पर सभी 56 परीक्षा केंद्र चिन्हित किए गए हैं। अधिकारी इन परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय आदि मूलभूत सुविधाएं होने के साथ-साथ चार दिवारी से सुरक्षा व्यवस्था होना भी सुनिश्ति करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सीईटी परीक्षा पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सक्वपन्न होनी चाहिए। डीसी श्री गुप्ता ग्रुप-सी की कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट के आयोजन को लेकर लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। इस दौरान नगराधीश अनिल कुमार भी मौजूद रहे। डीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया को निर्देश दिए कि वह परीक्षा सारी सुविधाओं का जायजा लें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित हों। उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक आर्यन चौधरी को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर आने-जाने का रास्ता सही हो ताकि वाहनों से जाम की स्थिति न बने।

अज्ञात बस चालक के खिलाफ केस दर्ज

लोहारू। बीते दिवस ढाणी श्यामा गांव के पास कथित रूप से रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार अशोक शर्मा के घायल होने व उनकी पत्नी मिथिलेश की मौत हो गई थी। लोहारू थाना पुलिस ने घायल अशोक की शिकायत पर रोडवेज के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दी शिकायत में अशोक शर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी मिथिलेश के साथ बाइक पर सवार होकर पिलानी से गांव ढाणी श्यामा में अपनी बहन बिमला से मिलने जा रहे थे। इस दौरान हरियाणा रोडवेज बस के चालक को इशारा भी किया, लेकिन उसने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी पत्नी मिथिलेश की मौत हो गई। लोहारू पुलिस ने रोडवेज बस के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

खाद्य आपूर्ति विभाग और सीएम फ्लाइंग ने दुकानों पर की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ घेवर, बर्फी लड्डू, गुलाब जामुन रसमलाई के लिए सैंपल

त्योहारी सीजन में घेवर, बफी, लड्डू, गुलाब जामुन, रसमलाई व अन्य मिठाइयों को देखकर भला कौन नहीं ललचाकर खाना चाहेगा, परन्तु सावधान हो जाईए। क्योंकि इन मिठाइयों में मिलावट या हाईजीन संबंधी समस्या हो सकती है। इसी को लेकर भिवानी में खाद्य सुरक्षा विभाग व सीएम फ्लाइंग ने शहर हालु बाजार क्षेत्र में मिठाइयों की दुकानों पर छापेमारी की तथा मिठाइयों के सैंपल भी लिए।

भिवानी के खाद्य सुरक्षा अधिकारी पुनीत शर्मा ने बताया कि आज की छापेमारी त्योहारी सीजन को देखते हुए की गई है तथा मिठाइयों के सैंपल लेने के साथ ही दुकानदारों को मिठाइयों को ढककर रखने व मच्छर-मक्खी से बचाकर रखने की एडवाईजरी भी जारी की है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि वे मिठाइयां खरीदने से पहले उन्हे जांच ले, इससे वे मिठाईयां खाकर बीमार होने से बच जाएंगे। किसी भी प्रकार की मिठाईयों की गुणवत्ता को लेकर यदि कोई शिकायत होती है तो ग्राहक को चाहिए कि वो फूड सप्लाई विभाग को सूचित करे या संबंधित दुकानदार को मिठाई की गुणवत्ता को लेकर सूचित करें। ताकि त्यौहारी सीजन में लोग उच्च गुणवत्ता की मिठाईयों का प्रयोग कर अपने त्यौहार को खुशीपूर्वक मना सकें। आज जो सैंपल लिए गए हैं, उनकी रिपोर्ट 14 दिन में आ जाएगी।

बाबा परमहंस लटाधारी का वार्षिक मेला 15 को

भिवानी। हर वर्ष की भांति बाबा परमहंस लटाधारी का मेला सावन माह की पंचमी को आयोजित किया जाएगा, जो 15 जुलाई को होगा। इस दौरान बाबा के तीनों मंदिरों में भंडारे, कुश्ती, सांग, रागिनी और जागरण का आयोजन किया जाएगा। समाधि स्थल प्रधान भूपसिंह ने बताया कि कुश्ती का पहला इनाम एक लाख ररुपये होगा।

बिचला मंदिर प्रधान विरेंद्र सिंह ने बताया कि मंदिर में तीन दिन भंडारा और जागरण होगा तथा पांच लाख भक्त आने की उम्मीद है। गुफा मंदिर प्रधान मैनपाल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान तीन दिन सांग होगा। समाधि स्थल प्रधान भूपसिंह व दीपा तंवर ने बताया कि सोमवार को संदीप सिंह द्वारा भंडारे का आयोजन किया, जिसमें आसपास के भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है ।

उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता आश्वासन पर कार्यशाला का आयोजन

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान में उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता आश्वासन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय कुल गीत के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रो. दिनेश मदान, डीन अकादमिक अफेयर्स एवं निदेशक, आई.क्यू.ए.सी. ने औपचारिक स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में निरंतर चल रही गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों और आगामी (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) के मूल्यांकन की तैयारियों की जानकारी दी। कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और परिणाम-आधारित शिक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. भावना शर्मा, कुलसचिव ने भी अपने संबोधन में 'गुणवत्ता सुधार पहलों एवं आंतरिक आत्ममूल्यांकन तंत्र को सशक्त करने पर बल दिया। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में तीन विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने-अपने विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रो. गुलशन तनेजा, पूर्व कुलसचिव एवं पूर्व निदेशक, आई.क्यू.ए.सी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक ने आत्म-मूल्यांकन एवं बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि किसी भी संस्थान में वास्तविक शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सतत आत्म-मूल्यांकन और बाहरी निरीक्षण प्रणाली आवश्यक है। प्रो. पंकज शर्मा, अंग्रेज़ी विभाग, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा ने शिक्षण में एआई की संभावनाएँ विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि किस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग अकादमिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रणाली को सशक्त बना सकता है। प्रो. नरसिम्हन बी., निदेशक, आई.क्यू.ए.सी, मदवि रोहतक ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषदकी नई बाइनरी प्रणाली पर व्याख्यान देते हुए नवीनतम मूल्यांकन मानदंडों, ग्रेडिंग प्रणाली एवं दस्तावेज़ीकरण प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विवि के विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. मयंक किंगर, प्रो. नितिन बंसल, प्रो. ललिता गुप्ता, प्रो. सुनीता भरतवाल, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेन्द्र कौशिक सहित अन्य प्राध्यापक, संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

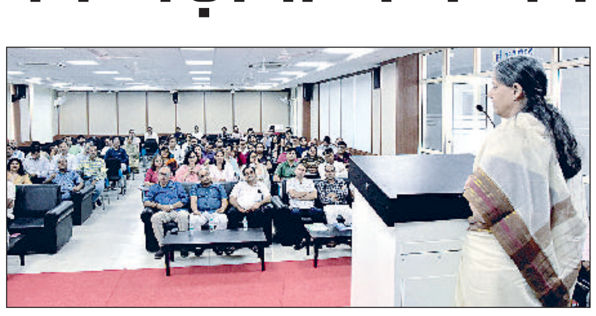

पेंशन वित्त विधेयक के खिलाफ राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ रिटायर्ड कर्मचारियों ने किया विभिन्न ब्लॉकों का दौरा

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा भिवानी के जिला प्रधान नरेश शर्मा, जिला सचिंव राजबीर कादयान, पूर्व जिला प्रधान मास्टर रामकुमार ढिल्लो तथा रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान व अखिल भारतीय राज्य सरकार पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मास्टर वजीर सिंह ने 15 जुलाई के राष्ट्रीय स्तर के उपायुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की तैयारी के सिलसिले में लोहारु, बहल और कैरू ब्लाक का दौरा किया तथा उपरोक्त ब्लाको के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिलाया कि धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में रिटायर्ड कर्मचारी हिस्सा लेंगे, क्योंकि पेंशन वित विधेयक के खिलाफ रिटायर्ड कर्मचारियों में भारी रोष है।

रिटायर्ड कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राज्य प्रधान व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मास्टर वजीर सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने पुरानी पैंशन योजना समाप्त की थी तथा अब मोदी सरकार पैंशन वित विधेयक के जरिये पुराने पैंशनर्स की पैंशन भी खत्म करने का षडयंत्र रच रही है। जिसका रिटायर्ड कर्मचारी पुरजोर विरोध करेंगे।

सावन विशेष

लोकरंग में बसा सावन

आ गया सुहाना सावन, मन को मोहने वाला सावन। सावन में रिमझिम बारिश और चहुंओर फैली हरियाली के बीच मन मयूर बनकर थिरक उठता है। एक नहीं अनेक रंग हैं सावन के। सावन की सिर्फ प्राकृतिक ही नहीं, धार्मिक महत्ता भी है। सावन में हम शिवजी की आराधना करते हैं। संपूर्ण परिवार के लिए मंगल कामना करते हैं।

आवरण कथा

अलका 'सोनी'

सावन शुरू होने का अर्थ है-गर्मी की भीषण तपन के बाद बारिश की शीतल फुहारों से राहत, चारों ओर बिखरी मनोहारी हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट। कहते हैं, सावन में संसार के पालन का दायित्व भगवान शिव को सौंप दिया जाता है। उन्हें यह दायित्व सौंप कर श्रीविष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इस तरह सावन का एक धार्मिक महत्व भी है।

सावन में शिव उपासना का विशेष महत्व

सावन में शिव की आराधना होती है, इसका विशेष महत्व है, क्योंकि मां पार्वती ने भगवान शिव को वर रूप में पाने के लिए सावन माह में निराहार रहकर कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें मनचाहा वरदान दिया। इसलिए सावन के महीने में शिव भक्त व्रत रहकर, अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए सोमवार को शिवजी पर जलाभिषेक करते हैं। सुहागिनें भी सावन के महीने में हरी चूड़ियां, हरी साड़ी पहन कर शिवजी की पूजा करती हैं। अपनी संतान, घर-परिवार और अपने सुहाग के कल्याण के लिए वरदान मांगती हैं। इस तरह बारहों महीने में सावन का विशेष महत्व है।

हर्षोल्लास का माहौल

सावन के आते ही प्रकृति ही नहीं वरन जीवन हरा-भरा हो उठता है। बागों में झूले पड़ जाते हैं। महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, सोलह श्रृंगार करके अपनी साखियों के साथ झूला-झूलती हैं। साथ ही रिमझिम फुहारों का भी आनंद लेती हैं। माहौल बहुत ही हर्षोल्लासमय हो जाता है।

सावन के झूले

सावन में जगह-जगह पेड़ों पर झूले पड़ते हैं। झूला झूल कर मन प्रफुल्लित-उमंगित हो उठता है। किसी भी वजह से अगर आपको तनाव है तो झूला झूलना आपके लिए बेहतर उपक्रम है। झूला झूलने से बॉडी में हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं, जो मन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, हमें तनाव से उबारते हैं।

दंपती भरते हैं प्यार की पेंगे

सावन में प्रिय से मिलन और उनके साथ झूला झूलने की भी रीति है। सावन माह में रिमझिम बारिश के बीच पेड़ों पर डले झूलों की पेंगें दंपती के बीच प्रेम बढ़ाती हैं। झूलों की पेंगें पति-पत्नी को एक अलग ही खुशनुमा एहसास देती हैं। झूले पर बैठी पत्नी यही चाहती है कि उसका पति उसे झुलाए और दोनों ही सावन का भरपूर आनंद लें।

सावन में कजरी की मधुरता

सावन आते ही लोकगीत कजरी की बहार आ जाती है। शहर में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के आयोजन से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपती महिलाएं और झूलों पर पेंगें भरती युवतियां कजरी गाती हैं- *'हिंडलवा लागल हइ कदमवा भौजी/ चलहु झूले न पियवा सावन में विदेशवा ननदो, हिंडोलवा भावे न आवइ पानी के छिटकवा भौजी।'* आदि गीतों से ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ अलग ही छटा बिखरती है। कजरी लोकगीत ही ऐसा है, जिसे सुनने मात्र से तन-मन रसरंग में भीग उठता है। कजरी गीतों में वर्षा ऋतु के साथ प्रेम का वर्णन भी मिलता है। गायिका स्वाति निरखी कहती हैं, 'कजरी की शुरुआत देवी स्तुति से होती है। विरह वेदना के वर्णन के अलावा श्रृंगार कजरी, बारहमासा कजरी, चौमासा कजरी, ननद-भाभी और सास के रिश्ते में छेड़छाड़ को लेकर बनी कजरी भी खूब प्रचलन में है।'

सावन के लोकरंग

सावन हमारे लोक-रंग में रचा-बसा है। इसके आने का इंतजार हम बेसब्री से करते हैं। करें भी क्यों ना, यह हरियाली की सौगात जो लेकर आता है, साथ में लेकर आता है ढेर सारे

त्योहार। इन्हीं दिनों आती है हरियाली तीज, गुड़िया और भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन। इन्हीं दिनों पानी भरे खेतों में रोपाई के लिए जाते कृषक भी दिखते हैं, तो कजरी गाती अल्हड़ युवतियों की सुरीली आवाज एक अलग समां बिखेरती है। हरी-भरी धरती पर बहते पानी में छपक-छपाक करते नटखट बच्चे भी दिखते हैं। इस तरह सावन अपने साथ जीवन के कई रंग लेकर आता है। हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार करता है।

आप सभी को सावन की मंगलकामनाएं...

हाथों में रचती है मेहंदी

सावन के महीने में मेहंदी लगाने की परंपरा है। ऐसा कहा जाता है कि महिला के हाथों पर मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, उतना ही पति का प्यार उसे मिलता है। मेहंदी लगाने से न केवल हाथ खूबसूरत लगते हैं, यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। मेहंदी की महक और रंग इंसान के तनाव को कम करते हैं। मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। भीषण गर्मी के बाद सावन के महीने में मेहंदी लगाने से शरीर को शीतलता मिलती है।

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद रिश्ता कोई भी हो, आपस में संवाद बहुत जरूरी है। इससे कभी कोई लतफहमी या मनमुटाव नहीं होता। आपसी संवाद से दूरी बढ़ जाती है। निरंतर संवाद से रिश्ते मधुर ही नहीं होते, मजबूत भी होते हैं।

सलाह

विजय सिंह चौहान

जहां रिश्तों की बुनियाद प्रेम-स्नेह पर टिकी होती है, वहीं इसे मजबूती और स्थायित्व आपसी संवाद देते हैं। संवाद वह अदृश्य डोर है, जो हमें आपस में बांधे रखती है, दूरियां नहीं बनने देती। जब आपस में संवाद नहीं रहता तो गलतफहमियां जन्म लेने लगती हैं, दूरियां बनने लगती हैं। रिश्तों की नींव दरकने लगती है।

फैलता आभासी दुनिया का संजाल

आज के दौर में हमने तकनीक से भले ही नजदीकियां बनाई हैं, लेकिन सिर्फ इसी माध्यम से प्रेमपूर्वक रिश्तों में बंधे रहना मुश्किल है। आभासी दुनिया के इस संजाल से भले हम पूरी दुनिया से जुड़ रहे हों, लेकिन अपनों से कटते जा रहे हैं। एक ही घर में रहने वाले सदस्य अपने-अपने कमरों में बंद मोबाइल और लैपटॉप में उलझे रहते हैं। हंसी-ठहाके, शिकवे-शिकायतें, सवाल-जवाब, सुझाव और सलाह परिवारों में अब कम दिखती है। परिवार में आपसी संवाद अब मौन हो गए हैं।

संवादों के अभाव में बन जाती हैं दूरियां

'कैसे हो?' यह आमने-सामने बैठकर पूछने के बजाय लोग व्हाट्सएप पर पूछ रहे हैं। मिलकर बैठकर बात करना, समय की बर्बादी समझा जाता है। हमें यह समझना चाहिए कि रिश्तों में दूरियां तब आती हैं, जब आपस में बातचीत ना हो। अकसर देखा गया है कि किसी से मनमुटाव का कोई बड़ा कारण नहीं होता, बस कोई छोटी सी बात होती है, लेकिन हम चुप्पी साधे रहते हैं और फिर संवादों के अभाव में दूरियां बन जाती हैं। चुप्पी संबंधों को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। अंततः संबंध बिखर जाते हैं, जबकि संवादों के माध्यम से संबंध सहेजे जा सकते थे।

संवाद कायम करते हैं भरोसा

कहते हैं, संवाद केवल शब्द नहीं, भरोसे की भाषा होते हैं। इसमें सिर्फ बोलना ही नहीं, सुनना और समझना भी शामिल होता है। जब हम किसी की बातें ध्यान से सुनते हैं, जरूरत के मुताबिक सही सलाह देकर उसका संबल बनते हैं तो दो दिलों के बीच भरोसे का एक गहरा रिश्ता बनता है।

अकसर जब रिश्तों में मनमुटाव आता है, हम सोचते हैं, 'हर बार पहल मैं ही क्यों करूं?' या 'उसे जरूरत होगी तो वह खुद संपर्क करेगा।' यह सोच धीरे-धीरे रिश्तों को बिखेर देती है। कभी-कभी बिखरे मोती समेटने के लिए झुकना पड़ता है। रिश्तों में झुकना कमजोरी नहीं, एक बड़प्पन है। एक छोटा-सा संवाद 'कैसे हो?' किसी के सूने मन को झंकृत कर सकता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, रिश्तों में सहज संवाद को स्थान दें। इसलिए कभी-कभी अपनों के लिए फोन उठाइए और बिना किसी औपचारिकता के बात करें। उससे बात करने के लिए घर भी पहुंच जाएं। अपने घर में भी भोजन करते समय मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर रखें, अपने परिवार के साथ दिनभर की बातें साझा करें, पति/पत्नी के मन की सुनिए, बच्चों की जिज्ञासाओं पर ध्यान दें ताकि वे अपने मन की बातें आपके सामने खुलकर करें। आप भी उनको आवश्यकतानुसार अपना मार्गदर्शन दे सकें। इस तरह के प्रयास और दिल से बोले संवाद रिश्तों को हमेशा मधुर बनाए रखते हैं। तो अपनों से संवाद बनाए रखें, रिश्ते सहेज कर रखें।

वास्तु सलाह

अनीता जैन, वास्तुविद

अगर वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए और उसके अनुसार घर की सजावट की जाए तो समृद्धि और सकारात्मकता बनी रहती है। इसके लिए किन उपायों पर अमल करना चाहिए, बता रहे हैं आपको।

घर की सजावट में वास्तु संतुलन बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु शास्त्र केवल घर-ऑफिस बनवाते समय दिशाओं के निर्धारण या निर्माण तकनीकों तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह हमारे जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावित करने वाली ऊर्जा का विज्ञान भी है। घर में रखी प्रत्येक वस्तु, चाहे वह सजावटी सामान हो, फर्नीचर हो या घरेलू उपकरण, हमारे अवचेतन मन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि इनका स्थान और चयन वास्तु सिद्धांतों के अनुरूप हो, तो जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और उत्साह बना रहता है। आइए जानें कि इंटीरियर डेकोरेशन के माध्यम से किस प्रकार हम अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

प्रवेश द्वार हो ऐसा: घर के प्रवेश द्वार को वास्तु में अत्यंत शक्तिशाली क्षेत्र माना जाता है। यह न केवल आगंतुकों और मेहमानों पर अच्छा प्रभाव छोड़ता है, बल्कि यहीं से घर के भीतर ऊर्जा का प्रवाह आरंभ होता है। इसलिए इस क्षेत्र को सदैव स्वच्छ रखें और यहां शुभ प्रतीक जैसे

स्वास्तिक, ॐ, कलश, घंटी, शंख, मछलियों का जोड़ा या आशीर्वाद मुद्रा में गणेश जी की तस्वीर लगाना शुभ माना गया है। फूलों का तोरण, विशेष तौर पर ताजे या कृत्रिम साफ-सुथरे फूलों से बना, द्वार को आकर्षक और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाता है।

सजावट में शुभता-सौम्यता: घर की दीवारों पर लगाई गई तस्वीरें या शोपीस हमारे मनोभावों को सीधे तौर

पर प्रभावित करते हैं। युद्ध, खंडहर, सूखे पेड़ या हिंसक जानवरों की छवियां घर में अशांति ला सकती हैं। इसके विपरीत दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर (पूर्व या उत्तर-पश्चिम में), हाथी (उत्तर या दक्षिण में) और गाय की तस्वीरें (पूर्व या दक्षिण-पूर्व में) सकारात्मक ऊर्जा, यश और शांति को आमंत्रित करती हैं।

पौधों से आती है ताजगी-समृद्धि: ड्रॉइंग रूम में उत्तर या पूर्व दिशा में मनीप्लांट, बैंबू बंच या छोटे इंडोर पौधे लगाने से वातावरण में ताजगी और घर में समृद्धि बनी रहती है। इस स्थान पर सूखे, कांटेदार या बोंसाई पौधों को लगाने से बचना चाहिए क्योंकि ये अवरोधक ऊर्जा का प्रतीक होते हैं। घर की उत्तर दिशा में लहलहाते खेत या जंगल का चित्र कार्य में सफलता और धन वृद्धि लाने में सहायक होता है।

देवस्थान और प्रकाश का संतुलन: उत्तर-पूर्व दिशा को पूजा, ध्यान और प्रार्थना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। बेहतर होगा इस स्थान पर अपने ईष्टदेव की तस्वीर या प्रतिमा लगाएं। दिवंगत परिजनों की फोटो दक्षिण-पश्चिम में और गुरु की तस्वीर पश्चिम दिशा में लगाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह होता है। घर में प्रकाश की व्यवस्था भी संतुलित होनी चाहिए। रोशनी की सही मात्रा, घर में ऊर्जा को संतुलित करती है।

इन उपायों से घर बनेगा ऊर्जावान

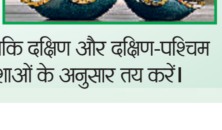

- बेडरूम में दो हंसों या लव बर्ड्स का शोपीस या राधा-कृष्ण की तस्वीर उत्तर दिशा में लगाएं।
- रसोई में गैस स्टोव दक्षिण-पूर्व और पानी का कलश उत्तर-पूर्व दिशा में रखें।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर नियमित जल अर्पण करें और दीपक जलाएं।
- उत्तर, ईशान और पूर्व दिशा में हल्के सामान जबकि दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी फर्नीचर रखें। परदों के रंग भी दिशाओं के अनुसार तय करें।

केयर

डॉ. सरोज राय, डर्मेटोलॉजिस्ट

तब बारिश में नहीं होगी स्किन-हेयर प्रॉब्लम

बहुत सी महिलाएं रेनी सीजन में फेस पर होने वाले पिंपल्स और पिगमेंटेशन से परेशान हो जाती हैं तो कई महिलाओं को हेयर फॉल का भी सामना करना पड़ता है। इन दोनों सीजलन प्रॉब्लम्स से राहत पाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

न छोड़ें सनस्क्रीन लगाना: कई महिलाएं सोचती हैं कि सनस्क्रीन केवल तेज धूप के दिनों में ही लगानी चाहिए। सच्चाई तो यह है कि जब आसमान में बादल छाए रहते हैं, यानी बरसात के दिनों में भी सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणें (यूवी रेज) नुकसानदेह साबित होती हैं। मौसम चाहे जो भी हो, कम से कम 30 एसपीएफ का सनस्क्रीन आपको अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए।

करें स्कैल्प की सफाई: पसीने और

वातावरण में मौजूद नमी के कारण सिर की त्वचा में इंफेक्शन या डेंड्रफ की प्रॉब्लम हो सकती है। इनसे बचने के लिए बारिश के दिनों में नियमित तौर पर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को साफ करें। बारिश में भीग जाएं तब भी बालों को साफ कर पॉल्यूटेंट्स और बारिश का पानी हटा लें। सिर की त्वचा यानी स्कैल्प को साफ रखना फंगल इंफेक्शन और दूसरी समस्याओं से बचाव करता है।

क्रीम-ऑयली प्रोडक्ट का यूज: हैवी गाढ़ी क्रीम और ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल मानसून के नमी वाले मौसम में त्वचा के पोर्स को बंद कर सकता है। इनकी जगह लाइट वेट क्रीम नॉन कॉमेडोजेनिक मॉयश्चराइजर और सीरम का उपयोग किया जाना चाहिए, जो त्वचा को बिना चिपचिपा किए नमीयुक्त रखता है।

ना हो हाइड्रेशन की कमी: हालांकि इस मौसम में वातावरण में अधिक नमी महसूस होती है, लेकिन आपकी त्वचा को अंदर से बाहर तक हाइड्रेटेड रखना भी जरूरी होता है। इसके लिए सुनिश्चित करें कि आप इस मौसम में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और अपने आहार में पानीयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। अपनी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेशियल मिस्ट का उपयोग भी कर सकती हैं।

स्किन रखें ड्राय: बारिश में भीगने के बाद फंगल इंफेक्शन और त्वचा की जलन से बचने के लिए इसे ठीक से सुखाना जरूरी है। खासतौर पर जांघों, अंडर आर्म्स की स्किन को ड्राय रखने पर विशेष ध्यान दें।

अधिक एक्सफोलीएशन से बचें: बेशक स्क्रबर, डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करती है, लेकिन इसके अधिक उपयोग से आपकी त्वचा से आवश्यक तेल निकल सकता है। मानसून के दौरान महीने में एक या दो बार तक ही स्क्रबर का उपयोग करें। इस मौसम में चटपटे व्यंजन अधिक ना खाएं।

प्रस्तुति: चेतना झा

योगोपचार

कौशल किशोर, योगाचार्य

कई महिलाएं और लड़कियां, पीरियड्स के दौरान पेट दर्द, थकान, सिर दर्द या मूड स्विंग से परेशान रहती हैं। इन प्रॉब्लम्स से राहत के लिए आप कुछ योगसनों का अभ्यास कर सकती हैं। यहां कुछ ऐसे ही योगसनों की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

पीरियड्स के दौरान उपयोगी हैं ये योगासन

पहले के दौर में ऐसी धारणा थी कि पीरियड्स के दौरान कोई भी वर्कआउट या योगासन नहीं करना चाहिए। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने स्टडी के द्वारा यह सिद्ध कर दिया है कि कुछ योगासन करने से पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से आराम मिल सकता है। हम आपको यहां कुछ ऐसे ही उपयोगी आसनों के बारे में बता रहे हैं।

वज्रासन: सबसे पहले दरी या योगासन मैट बिछा लें। उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। दोनों एड़ियों को एक-दूसरे से थोड़ा अलग रखें और अपने दोनों पंजों पर नितंब को टिकाएं। इस दरम्यान पीठ, गर्दन और अपने सिर को सीधा रखें और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर रखें। यह ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। अपनी आंखें बंद करें और धीरे-धीरे सांस लें फिर छोड़ें। फिर 5 से 15 मिनट तक इसी स्थिति में रहें। इससे पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से राहत मिलेगी।

शशांक आसन: इसके लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं। अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और कानों के पास सीधा रखें। धीरे-धीरे अपनी सांस को छोड़ते हुए आगे की

वज्रासन

शशांक आसन

ओर झुकाएं और माथा जमीन से लगाएं। अपने हाथ को भी सामने जमीन पर ही रखें। पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और कुछ समय इसी स्थिति में रहें। सांस लेते हुए वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं।

भ्रामरी प्राणायाम: इसे करने के लिए सुखासन, पद्मासन या वज्रासन में रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। आंखें बंद कर अपने शरीर को एकदम शांत करें। अपने दोनों हाथों की पहली अंगुली को माथे पर रखें। मध्यमा अंगुलियों से आंखों को बंद करें। अनामिका से नाक के पास गालों को हल्का दबाएं और अंगूठों से दोनों कानों को बंद करें। गहरी सांस लें और सांस को छोड़ते हुए भौंरें जैसी आवाज करें। यह प्रक्रिया 5 से 10 बार दोहराएं।

मेरुवक्रासन: योगा मैट पर सीधा बैठ कर पैर आगे की ओर फैलाएं। अपने बाएं पैर को मोड़कर उसका तलवा दाएं घुटने के पास रखें। दायां हाथ बाएं घुटने के बाहर रखें और बाएं हाथ को पीछे जमीन पर टेक लगा दें। अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए धीरे-धीरे धड़ को बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद वापस धीरे से आ जाएं। अब यही प्रक्रिया दूसरी ओर से दोहराएं।

ताड़ासन: ताड़ासन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपने दोनों पैरों को एक साथ मिलाएं। अपने हाथों और पीठ को सीधा रखें। सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। उस समय हथेलियां आपस में जुड़ी हुई रहनी चाहिए। अब अपनी एड़ियों को उठाकर पंजों के बल खड़े हो जाएं और अपने पूरे शरीर को ताड़ के पेड़ की तरह ऊपर की ओर खींचें। थोड़ी देर इस स्थिति में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए वापस आ जाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी योगासन करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इसे अच्छी तरह सीख लें।

प्रस्तुति: संध्या रानी

खबर संक्षेप

आध्यात्मिक सत्संग में उपस्थित श्रद्धालु।

हर मनुष्य को प्रभु का रूप मान दें आदरभाव

भिवानी। गांव कोंट में श्रीदक्ष प्रजापति धर्मशाला में मुक्ति की युक्ति आध्यात्मिक सत्संग का अयोजन किया, जिसमें मुक्ति की युक्ति आध्यात्मिक मिशन के गुरु युगनायक सेठ महाराज ने साध संगत को अपने आशीष वचनों से आशीर्वाद दिया व अमृत ज्ञान वर्षा की। सत्संग में उपस्थित साध संगत को संबोधित करते हुए हरगुरु युगनायक सेठ महाराज ने फरमाया कि मानव अपना उद्धार तभी कर सकता है, जब वह परमात्मा की प्राप्ति करता है और परमात्मा की जानकारी ब्रह्मज्ञान से ही संभव है और ब्रह्मज्ञान समय के पैगंबर द्वारा ही दिया जाता है।उन्होंने कहा कि हर मानव को प्रभु का रूप मानकर सेवाभाव व आदरभाव रखना चाहिए।

सभा खेतों में जलभराव का किया मुआयना

भिवानी। अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी की टीम ने सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल के नेतृत्व में मिताथल, घुसकानी, धनाना, बडेसरा, बलियाली व रामूपुरा गांव के खेतों में बारिश से भरे पानी का मुआयना किया तथा वर्तमान फसल बचाने व रबी फसत की बुआई के लिए शीघ्र खेतों से सिंचाई विभाग मशीनें लगाकर पानी की निकासी करे। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपप्रधान ओमप्रकाश व प्रधान रामभक्त व पूर्व सरपंच सतपाल सिंह ने कहा कि ज्यादा बारिश की वजह से खेतों में अत्याधिक पानी भर गया और मिताथल घुसकानी ड्रेन की सफाई नहीं होने से ड्रेन ओवर फ्लो हो गई, जिससे उनकी किसानों की धान की फसल नष्ट हो गई व ज्यादा पानी भरने से रबी फसल की बुआई भी नहीं होगी।

गर्भपात में अब क्षेत्रिय अधिकारियों की जवाबदेही:

चरखी दादरी। लिंगानुपात में सुधार करने और समाज में लड़का व लड़की में भेदभाव की मानसिकता को दूर करने के लिए सरकार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग ने कारगर योजना बनाई है। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है, जिसको सहेली नाम दिया गया है। योजनानुसार 'सहेली' द्वारा महिला को गर्भपात नहीं करवाने के लिए समझाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा वर्कर और आंगनबाड़ी वर्कर को 'सहेली' का नाम दिया गया है। गर्भपात किए जाने वाले संबंधित क्षेत्र की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सहेली व एएनएम, सीएचओ की जवाबदेही होगी। नई योजना में एक या एक से अधिक लड़कियों वाले परिवार पर अब पैनी नजर रहेगी। डीसी की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी में एसपी, ड्रग कंट्रोलर, सीडीपीओ व डीपीआरओ शामिल हैं। इस कमेटी की हर महीने में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें लिंगानुपात में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी जाएगी।

नागरिक अस्पताल के साथ लगता हुडा कॉलोनी का रोड कंडम

गहरे-गहरे गड्ढ़ों में गिरने का बना रहता है डर, कॉलोनीवासी बोले प्रशासन नहीं ले रहा सुध

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा कस्बे में जमा बारिश का पानी।

दीपक कुमार डुमड़ा,बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल की दिवार के साथ लगते हुडा कॉलोनी के रोड की हालत इस समय इतनी खराब हो चुकी है कि लोग इस रास्ते से आना-जाना बंद करने की कगार पर है। क्योंकि इस मार्ग पर इतने गहरे गडढे हैं कि दो पहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है वहीं बारिश के कारण गहरे गड़डों में पानी भरने से यहां तालाब बना हुआ है जिससे बड़े वाहनों को भी इसमें धंसने व पलटने का भय बना हुआ है।

पानी निकासी का कोई जरिया नहीं

हुडा कॉलोनीवासी डॉ. राजेश टकराल ने बताया कि इस मार्ग पर पानी निकासी का कोई रास्ता नहीं है। जहां पानी जमा है वहीं जमा है जब तक वह सूख नहीं जाता। इस कारण राहगीरों व कालोनीवासियों ने यहां से आना जाना बंद कर दिया है। वहीं इस मार्ग पर बने मकान मालिकों के मकान के साथ जमा पानी से घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

मिटटी भरत या रोड़ी डालकर व्यवस्था करें

हुडा कॉलोनीवासी ललित कुमार जैन ने बताया कि विभाग इसके स्थाई प्रबंध करने से पहले अस्थाई प्रबंध कर दे तो कुछ राहत मिल सकती है जैसे इसमें मिटटी भरत या रोड़ी डालकर व्यवस्था करे ताकि पानी जमा न हो और वाहन भी न धसें। उन्होंने बताया कि नपा प्रधान व विधायक स्थाई जमीं से जुड़े हुए है और हर गली, मार्ग से वाकिफ है, उन्हें उनसे काफी उम्मीदें हैं।

स्थाई समाधान तक करें अस्थाई व्यवस्था

ढ़ाणी में इससे भी बुरा हाल रेलवे स्टेशन के सामने वार्डवासी गजानंद कौशिक ने बताया कि उनके वार्ड में बारिश व गंदे पानी की निकासी का पानी इस कद्र जमा है कि व्यक्ति घर से बाहर नहीं निकल सकता। ये गंदगीनुमा पानी बीमारियों को निमंत्रण दे रहा है। प्रशासन को पूरे शहर की सुध लेनी चाहिए।

जल्द होगा समाधान

नगर पालिका प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि हुडा कॉलोनीवासी, ढ़ाणी सहित जहां जहां समस्याएं हैं वे सभी से वाकिफ हैं और वार्डपार्षदों ने भी अवगत कराया है। पूरी रणनीति बनाई गई है जल्द टैंडर लगाकर हर वार्ड की समस्या का समाधान किया जाएगा क्योंकि पूरा शहर उनका घर है और जिस प्रकार से लोगों ने उन्हें विश्वास बनाकर इस मुकाम पर पहुंचाया है वे सभी को समान लेकर चलेंगें और विकास करवाने का काम करेंगे।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं को वितरित किए 51 पौधे

शहीदों की याद में पौधरोपण व वितरण एक बहुत अच्छी पहल: घनश्याम दास

छात्राओं को पौधें भेंट करते विधायक।

- इस साल शहीदों की याद में रोपित किए जाएंगे 251 पौधे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में दा हरियाणा राज्य भारत स्काउट एंड गाइड चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा सोमवार को श्रीमहावीर जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शहीद सैनिकों की याद में पौधरोपण कर छात्राओं को 51 पौधें वितरित किए। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन ग्रुप कोऑर्डिनेटर प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति अवार्डी मास्टर लक्ष्मण गौड़ एवं ग्रुप लीडर सागर सज्जन के निर्देशन में हुआ। इस मौके पर सह ग्रुप लीडर अमित कुमार ने पौधें लगवाए तथा विशेष तौर पर सीनियर रोवर नितेश कुमार, आरिफ अली, राहुल, निखिल आदि उपस्थित रहे। इस दौरान मैनेजर लक्ष्मण एवं राम सोनी ने खेल कक्षा का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या पुष्पा देवी ने की। मंच संचालन देशराज वशिष्ठ ने किया। विधायक सर्राफ ने कहा कि शहीदों की याद में पौधरोपण के कार्यक्रम बेहद सराहनीय सोच है, इससे शहीदों के प्रति सम्मान का भाव पैदा होता है वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह कदम मजबूत साबित होता है। इस वर्ष शहीदों की याद में 251 पौधें रोपित किए जाएंगे और उनकी रखवाली के लिए सभी रोवर्स रेंजर्स स्काउट गाइड की ड्यूटी लगाई जाएगी।

जिला बाल कल्याण परिषद के प्रांगण में किया एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण

भिवानी। मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी नित्यानंद, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक जितेंद्र सैनी व हेमंत सैनी कल्चरल थिएटर एंड वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया। जिला बाल कल्याण परिषद के अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि मातृत्व को समर्पित पौधरापण में हर प्रतिभागी ने एक वृक्ष अपनी मां के नाम समर्पित किया। बच्चों ने मां को समर्पित नाटक धरती माँ की पुकार प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। प्रोग्राम अधिकारी तृप्ति श्योराण ने बताया कि पेड़ केवल प्रकृति ही नहीं भावनाओं की विरासत हैं, जब हम मां के नाम पर एक पौधा लगाते हैं, तो वह जीवनभर हमारी भावनाओं को संजोए रखता है। यह अभियान भावनात्मक जुड़ाव और पर्यावरणीय जागरूकता दोनों का संगम है। इस अवसर पर श्रुति, मोहित, संदीप, रणधीर, प्रदीप,सुदेश कुमार ,विजय कुमार मीनू,शिवानी, वीरा, शकुन्तला, नीलम,नीतू, निशा सोनिया,कांता व उषा आदि उपस्थित रहे।

हर घर पेड़-हर घर हरियाली अभियान चलाकर पैंतावास खुर्द में किया पौधरोपण

भिवानी। सेक्टर-23 निवासी श्रीपाल यादव ने अपने पैतृक गांव पैंतावास खुर्द में हर घर पेड़-हर घर हरियाली अभियान को आगे बढ़ाया। इस पुनीत कार्य में उन्होंने गांव के गणमान्य व्यक्तियों और परिजनों के साथ मिलकर व्यापक पौधरोपण किया। इस अवसर पर उनके पिता श्रीचंद यादव, नेशनल अवार्ड से सम्मानित चाचा मास्टर तुलसी राम, बड़े भाई दलबीर यादव, छोटे भाई अजय यादव, भाई पप्पू यादव, मास्टर बिंदर पूर्व सरपंच महेंद्र, मास्टर दलबीर सांगवान, अत्तर यादव और डॉ. नवीन यादव, अतू सांगवान, भूपेंद्र सांगवान, भाकर सांगवान, बलजीत यादव, डॉ. रामपत सांगवान, पूर्व सरपंच लवली और वर्तमान सरपंच जोगेंद्र बडगुर्जर आदि मौजूद रहे। श्रीपाल यादव ने अपने गांव के आराध्य देव बाबा छोटूनाथ मंदिर परिसर को वृक्षारोपण कर हरियाली का संदेश दिया।

संडवा में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत किया पौधरोपण

तोशाम। गांव संडवा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत प्राचार्य चन्द्रशेखर व स्टाफ ने स्कूल में विद्यार्थियों को पौधे भी वितरित किए। प्राचार्य चंद्रशेखर का कहना था कि हमें अधिक से अधिक पौधरोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाना चाहिए। हमें विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए जिससे कि हमारा श्रावण मास के प्रथम सोमवारको एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत स्कूल में स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण किया गया तथा विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए प्रेरित किया।

पर्यावरण की सुरक्षा से बढ़कर कोई पूजा नहीं: गोयल

भिवानी। पर्यावरण की सुरक्षा से बढ़कर आज कोई पूजा नहीं है। प्रकृति का सम्मान ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा है। प्रकृति ईश्वर प्रदत्त अनुपम वरदान है। जो हमें जीवन दान देती हैं इसलिए प्रत्येक मनुष्य को हर खुशी के अवसर पर वृक्षारोपण आवश्यक रूप से करना चाहिए यह बात लिटिल हार्ट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के महासचिव एवं वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने अपनी 34वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर अपने परिवार के साथ लिटिल हार्टस इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए कही। आज लिटिल हार्ट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन परिवार के सदस्यों द्वारा महासचिव डॉ संजय गोयल की 34वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर लिटिल हार्टस इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में लिटिल हार्ट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के चेयरमैन त्रिलोक चन्द गोयल ने डॉ संजय गोयल को उज्ज्वल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

रोहिल्ला परिवार ने लगाई त्रिवेणी

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयोजक केके वर्मा की प्रेरणा से जयकिशन रोहिल्ला, सत्यभामा रोहिल्ला, सुमित रोहिल्ला, जतिन रोहिल्ला ने मिनी बाइपास क्षेत्र में त्रिवेणी का रोपण किया। वर्मा ने ट्री गार्ड व कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत बनाया गया लकड़ी का ट्री गार्ड उपलब्ध करवाया, जिसमें तीनों पौधे व पीपल का पौधा आराम से फल-फूल कर पल्लवित हो सकेंगे। समिति के संयोजक केके वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सिर्फ पौधरोपण जरूरी नहीं है, बल्कि रोपित किए पौधों की देखभाल करना उससे भी अधिक जरूरी है, क्योंकि बहुत से पौधें देखभाल के अभाव में ही नष्ट हो जाते है। इस अवसर पर सतबीर शर्मा, सुरेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार वर्मा, सुरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, सर्वेश, कैप्टन हरिपाल आदि ने रोहिल्ला परिवार की सराहना की।

बिरही कलां में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का सफल आयोजन

भिवानी। बी.आर. शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल, बिरही कलां के प्रांगण में /"एक पेड़ माँ के नाम/" अभियान के तहत एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना और अपनी माँ के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए उन्हें प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। छात्रों ने इस अवसर पर पौधे लगाए और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम मुख्यतया सीनियर विंग एचओडी सुजीत वशिष्ठ और डीपीई नीरज सांगवान के तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बनना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। माँ, जो हमें जन्म देती है और हमारा पालन-पोषण करती है।

पौधा लगाते विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज व अन्य।

आईपीएस स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज : चरखी दादरी

बीआर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल बिरही कलां के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और अपनी मां के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना था। छात्रों ने इस अवसर पर पौधे लगाए और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए गए एक पेड़ मां के नाम जैसे महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बनना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। मां जो हमें जन्म देती है और हमारा पालन-पोषण करती है, प्रकृति की तरह ही निःस्वार्थ भाव से हमें अपना सब कुछ देती है। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चे की परवरिश करती है, उसी प्रकार एक वृक्ष भी हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन, फल, और छाया प्रदान करता है। इस कार्यक्रम ने न केवल विद्यालय परिसर की सुंदरता में वृद्धि की, बल्कि छात्रों और समाज में एक सकारात्मक संदेश भी प्रसारित किया।

भिवानी। क्लास में बच्चों को पढाते एक शिक्षक।

अब स्कूलों को केवल शैक्षणिक केंद्र नहीं बल्कि सुरक्षित आश्रय स्थल भी होना चाहिए : विनोद पिंकू

भिवानी। इन दिनों स्कूलों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के कारण गहरी चिंता का विषय बन गया है। हिसार के एक स्कूल में हुई दर्दनाक घटना ने इस मुद्दे को और भी गंभीर बना दिया है। अब स्पष्ट है कि स्कूलों को केवल शैक्षणिक केंद्र नहीं बल्कि सुरक्षित आश्रय स्थल भी होना चाहिए। स्कूलों में छात्रों के बीच मारपीट, धमकाने और यहां तक कि गंभीर अपराधों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जो न केवल छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल रही हैं, बल्कि पूरे शैक्षणिक माहौल को भी दूषित कर रही हैं। गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल स्कूल में सोमवार को इस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्कूल शिक्षा का मंदिर है, यहां पर स्वर्णिम भविष्य का निर्माण होता है। ऐसे में विद्यार्थी अपने बेहतर भविष्य की सोच रखते हुए आगे बढ़े। विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं और चिंताओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्कूलों को माता-पिता, छात्रों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि स्कूलों में हिंसा को रोका जा सके। यह केवल स्कूल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। माता-पिता को अपने बच्चों के व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए।

आयोजन जल्द आयोजित किया जाएगा अंग वितरण समारोह

आस्था स्पेशल स्कूल में दिव्यांगजनों के लिए लगाया शिविर

सहायक उपकरणों के लिए 250 दिव्यांगजनों ने करवाया पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आस्था स्पेशल स्कूल में आस्था स्पेशल स्कूल के सहयोग से भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) संस्था ने दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए पंजीकरण शिविर आयोजित किया। संस्था के संस्थापक विजय शर्मा ने बताया कि शिविर में सभी तरह के दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण के लिए चयन किया, जिसमें 250 दिव्यांगजनों ने पंजीकरण करवाया। शिविर में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर,सीपी चेयर, वाकर,चार्जिंग वाली ट्राई साइकिल, मोबाइल व टीएलएम कीट के लिए चयन किया।

शिविर में 250 दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरणों के लिए पंजीकरण करवाया। मुख्यतिथि डॉ. रिया गुप्ता ने शिरकत की। डॉ. रिया गुप्ता ने बताया कि जुनून की धारा दिखाई दे रही है, जो ऐसे दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित कर उभारने करने का संकल्प ले रखा है। कैंप की आयोजन से दिव्यांगजनों को सुलभ तरीके से सहायक उपकरण उपलब्ध हो पाएंगे। दिव्यांगजनों में एक नई किरण दिखाई दी और इस किरण में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का संकेत प्राप्त हुआ।

वेदप्रकाश शर्मा, जगदीश वधवा, अनु मेहता, रोहित, संजय अग्रवाल रहे। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को टीम की प्रभारी डॉक्टर प्रिया, सूरजभान ऑडियोलॉजिस्ट, संदीप कुमार, एलिम्को टीम प्रभारी डॉक्टर प्रिया चौधरी ने बताया कि आस्था में शिविर लगाकर दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण चिन्हित किए गए हैं और वे जल्द ही संस्था में वितरण किए जाएंगे।

आस्था स्कूल के संस्थापक विजय शर्मा और प्राचार्या एडवोकेट सुमन शर्मा के जुनून के परिणाम स्वरूप शिविर का आयोजन हुआ, सफल रहा। समन्वयक डॉ. तरुण कुलश्रेष्ठ एवं एडवोकेट सुनील पंवार रहे। संस्था की प्राचार्य एवं संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा ने बताया कि प्राइवेट संस्था में भिवानी में पहली बार शिविर लगाया, जो वास्तव में सफलतापूर्वक रहा और जिसके परिणाम सहायक उपकरण वितरण के समय भी अच्छे देखे में मिलेंगे।

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल में सहायक उपकरण के लिए पंजीकरण करवाते दिव्यांगजन।

पुलिस ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण व नशे के खिलाफ किया जागरूक

- श्रीश्याम भवन में भजन संध्या का किया आयोजन।

भिवानी। श्रीश्याम प्रेम मंडल द्वारा किशोरीलाल सेवा सदन रोड स्थित श्रीश्याम भवन में भव्य भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया। आध्यात्मिक संध्या में अनेक ख्याति प्राप्त भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा और उपस्थित सभी भक्त मंत्रमुग्ध होकर झूम उठे। महिला थाना एसएचओ धर्मली देवी व एएसआई उर्मिला पंघाल, यूथ कल्चर आर्गेनाइजेशन की को-ऑर्डिनेटर सरिता महता ने शिरकत की। भजन संध्या में लेखक एवं भजन गायक आनंद शर्मा ने सब देवो मे देव निराला माता अहलवती का लाला, भव बंधन का खोले ताला, सांवरिया मेरा सांवरिया, कलयुग का अवतार है ये, देव बड़ा दीलदार है आदि भजनों के माध्यम से माहौल को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया।

सूचना

मै बलवान पुत्र जुगलाल निवासी कारी दास तहसील बाढडा जिला चरखी दादरी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र चंद्रपाल, सुनील व पुत्रवधू अनिता, कविता को मैने 13.02.2023 अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया था। अब चारों मेरे कहने व सुनने में है। इसलिए मेरे द्वारा की गई बेदखली को मै वापस लेता हूं।

सूचना

मैं, बन्टी पत्नी श्री रामकिशन पुत्र मुन्शी राम निवासी गांव ओबरा सब तह. बहल तहसील लोहारू जिला भिवानी बयान करती हूं कि मेरी पुत्री सोनीया मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

शिविरों में शिकायतों का हो रहा निपटारा

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविर की लंबित शिकायतों की प्रगति को लेकर समय पर अपडेट सुनिश्चित किया जाए और पूर्व में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए। जिले में हर सोमवार और वीरवार को समाधान शिविरों को आयोजन किया जा रहा है। जिले में अभी तक आई शिकायतों में से लगभग सभी का उचित समाधान कर दिया गया है और कुछ शेष शिकायतों पर संबंधित विभागीय अधिकारी प्राथमिकता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं।

वनवासी कल्याण आश्रम की जिला कार्यकारिणी का गठन

भिवानी। वनवासी कल्याण आश्रम अखिल भारतीय संस्था है, जो पूरे देश में रहने वाले 12 करोड़ वनवासी बन्धुओं के सर्वांगीण विकास के लिए 1952 से सेवारत्त है। शिक्षा, चिकित्सा, ग्रामविकास, व श्रद्धाजागरण जैसे 22 हजार सेवा प्रकल्पों के माध्यम से दो करोड़ वनवासी बन्धु लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में गैर वनवासी क्षेत्र हरियाणा में 1986 से एकलव्य छात्रावास भिवानी में चलाया जा रहा है।

नेशनल टिंबर सिस्टम पोर्टल वानिकी विरोधी

बाढड़ा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा खेत की भूमि पर पेड़ लगाने व काटने के नए नियम जारी किए गए हैं नए नियमों अनुसार भू स्वामी पेड़ लगाने व काटने के लिए स्वतंत्र नहीं होंगे । पेड़ लगाने के लिए नेशनल टिंबर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवा कर अनुमति लेनी होगी । लगने वाले पौधों की प्रजाति व भूमि का ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज करना होगा।

दिनभर छाए रहे बदरा सांय को झमाझम बरसे

लोहारू। लोहारू शहर और आसपास के इलाके में दिनभर आसमान में घनघौर घटाएं छाई रही तथा दोपहर बार शहर आसपास के इलाके में झमाझम बरसात हुई। दो दिनों से इलाके में बरसात नहीं होने से लोगों के उमस भरी गर्मी सता रही थी। वहीं सोमवार सुबह ढाणी टोडा और आसपास के इलाके में 15 मिनट तक झमाझम बरसात हुई। वहीं लोहारू व आसपास के गांवों में दिनभर घने काले बादल आसमान में छाए रहे, लेकिन सांय चार बजे शहर में झमाझम बरसात हुई तब जाकर लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

भाकियू ने की सरकार के खिलाफ नारेबाजी

बाढड़ा। रबी सीजन के ओलावृष्टि प्रभावित रकबे के पीड़ित किसानों को समय पर मुआवजा न जारी करने, कृषि क्षेत्र के दस करोड़ की राशी जमा करवाने के बावजूद ट्यूबवैल कैनेक्शन न करने, बिजली दरों में वृद्धि करने जैसे फैसलें लेकर सरकार तानाशाही का परिचय दे रही है। भाकियू सीएम नायबसिंह सैनी को सरकार से इन लंबित मांगों का तुरंत समाधान करने की मांग करती है।

कम्युनिस्ट के कार्यकर्ता ने जताया रोष

सरसों तेल के दाम बढ़ाने के खिलाफ एसडीएम को ज्ञापन

सरकार के फैसले से प्रदेश के करीब 47.72 लाख गरीब परिवार प्रभावित होंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। विरोध प्रदर्शन के बाद मांगपत्र सौंपते। फोटो: हरिभूमि

सोमवार को क्रांतिकारी पार्टी सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के कार्यकर्ता तोशाम के शहीद पार्क में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए तोशाम के एसडीएम कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा बीपीएल परिवारों को मिलने वाले राशन में सरसों तेल के दाम 150 फ़ीसदी बढ़ाने के ख़िलाफ़ मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन ज्ञापन सौंपा ।

इस दौरान उपस्थित लोगों को सबोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड रोहताश सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) व अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) में शामिल गरीब परिवारों को राशन डिपो पर 2 लीटर सरसों के तेल की बोतल का रेट 40 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया है। सरकार के इस फ़ैसले से 47.72 लाख गरीब परिवार प्रभावित होंगे। उनका कहना था कि हरियाणा विधानसभा को भी दरकिनार कर लिए गए इस तानाशाही फरमान से हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सबसे ग़रीब लोगों के पेट पर लात मारी है। हम इस फ़ैसले की कठोर शब्दों में निंदा करते हैं और इसे तुरंत वापस लेने की मांग करते हैं। इस विरोध प्रदर्शन मे फूलचंद, वजीर चंद, बहादुर सिंह अलखपुरा, महेंद्र सिंह कटारिया, गीता देवी, सावित्री, मदन शर्मा, प्रमिला, संतरा देवी, कमलेश आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

सरकार महंगाई घटाने के बजाय बढ़ाती जा रही

इस मौके पर पार्टी के जिला कमेटी सदस्य एडवोकेट बस्तीराम ने कहा कि महंगाई ने पहले ही आम लोगों का बुरा हाल कर रखा है और सरकार महंगाई का समाधान करने के बजाय दिन पर दिन महंगाई बढ़ाती जा रही है। इसके अलावा राज्य सरकार ने बिजली के रेट में वृद्धि की है और स्मार्ट मीटर लगाने जा रही है, जो कि बिजली को बेहद महंगा करने वाला एकदम पूंजीपति परस्त और जनविरोधी कदम है। हम इन जनविरोधी कदमों का कड़ा विरोध करते हैं। प्रदर्शनकार्यो ने एक ज्ञापन तोशाम वार्ड नंबर 7 की सीवर की समस्या को लेकर पब्लिक हेल्थ एक्शन की अनुपस्थिति में सुपरिंटेंडेंट को ज्ञापन सौंपा।

जिसमें कर्मवीर सागवान ने बताया कि वार्ड में सीवरेज की भयंकर समस्या है काफी दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो होने के करण लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है गंदगी इतनी फैली हुई है कि लोग बीमारी की चपेट में आ रहे हैं खाना भी नहीं खा सकते है। इसको लेकर पहले भी अधिकारियों से काफी बार मिल चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं निकला इसलिए संगठन मांग करता है कि वार्ड 7 के सीवर की समस्या का तुरंत समाधान करें।

श्रीमहंत ने शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

- भगवान शिव दुग्ध, जल, बेल पत्र व धतूरे से होते खुश: डॉ. अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी।

सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी मंदिर आश्रम के शिवालय में शिवलिंग पर श्रावण माह के प्रथम सोमवार को गंगाजल अभिषेक किया। श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी महाराज व काफी संख्या में शिवभक्तों ने श्रावण के प्रथम सोमवार को शिवालय में शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाया। श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी ने भगवान शिव की अराधना और श्रावण माह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देशभर में शिवरात्रि पर्व से पूर्व श्रावण के हर सोमवार को भगवान शिव की पूजा अर्चना रहेगी। श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी ने कहा कि इन दिनों की कावड़ जप तप के साथ लाई जाती है, जो गंगाजल लाया जाता है वह पवित्रता के साथ में लाया जाता है इसका बड़ा पुण्य माना जाता है। श्रीमहंत डॉक्टर अशोक गिरी ने कहा कि सोमवार का उत्सव बड़े उत्साह के साथ श्रावण माह में रहेगा। उन्होंने कहा कि सोमवार की विशेष महिमा होती है जो भी शिव की आराधना करते हैं, भगवान शिव पर भांग ,धतूरा ,गंगाजल दुग्ध ,जल व बेलपत्र चढ़ा कर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं तो भोलेनाथ जल्द खुश होते हैं और सहज प्राप्त हो जाते हैं।

भिवानी। यातायात नियमों को लेकर बनाए गए पोस्टर दिखाते विद्यार्थी।

सड़क सुरक्षित-यूथ सुरक्षितः कोठारी

भिवानी। शहीर रमेश कुमार राजकीय वमा विद्यालय लोहानी में यूथ फॉर सेफ रोडस विषय पर आयोजिक कार्यक्रम के समापन पर बोलते हुए प्राचार्य भगत सिंह कोठारी ने सड़क सुरक्षित यूथ सुरक्षित का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे उचित आयु पूरी होने के बाद ही समस्त सावधानियों के साथ सुरक्षित ढंग से वाहन का प्रयोग करें। इस अवसर पर जीके क्विज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण, मीनू, मंजू ने विचार व्यक्त किए। जगवीर ग्रेवाल ने ड्राईविंग नियम समझाए तथा संचालन काजल ने किया।

राजकीय प्राथमिक पाठशाला में हैंडवाश डे मनाया

बाढड़ा। गांव कारी दास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में हैंडवाश डे मनाया गया। इस दौरान बारिश के मौसम में स्वच्छता की कमी तथा दूषित जल से बचाव के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। स्कूल इंचार्ज अनिल कुमार तथा विज्ञान अध्यापक रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में बच्चों को हाथ धोने के तरीके बताए गए। अध्यापक सुंदरपाल फौगाट ने बच्चों को बताया कि बरसात के मौसम में नियमित अंतराल पर बहुत ज़रूरी है, 1योंकि यह कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। बारिश के मौसम में कीटाणु और बै1टीरिया आसानी से फैलते हैं, जिससे डायरिया, हैजा, टाइफाइड, सर्दी-खांसी, और पेट दर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

भाजपा के मनोनीत पार्षदों ने विधायक और चेयरमैन का जताया आभार

- आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान करवाना रहेगी प्राथमिकता: श्रीभगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विधायक को गुलदस्ता भेंट करते मनोनीत पार्षद। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा सरकार द्वारा बवानीखेड़ा नगर पालिका के लिए मनोनीत किए पार्षद श्रीभगवान नाहड़िया व सुंदर राइका ने बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि और नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री सहित समस्त भाजपा परिवार का समस्त प्रजापति समाज की तरफ से आभार जताया। श्रीभगवान ने विशेष रूप से विधायक कपूर सिंह और चेयरमैन सुंदर अत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे इस नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और नगर पालिका क्षेत्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य आमजन की छोटी से छोटी समस्या को सरकार तक पहुंचाना रहेगा, ताकि नागरिकों की प्रत्येक समस्या का समाधान कर उनका जीवन सरल बनाया जा सकें तथा भाजपा के सबका साथ-सबका विकास के नारे को और भी मजबूत किया जा सकें। इस अवसर पर नौरंग, प्रकाश मिस्त्री, जोगीराम, जयबीर, विजय वर्मा, फतेहसिंह, भीम नाहड़िया, डॉ. विनोद, उदय सिंह, कुलदीप हलवाई, गणेश, ओमप्रकाश, हरीश, ओमपाल नाहड़िया मौजूद रहे।

राशन कार्ड से नाम काटने के खिलाफ सीएम को भेजा ज्ञापन

- जनवादी महिला समिति ने दामों में हुई बढ़ोत्तरी वापस लेने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। उपायुक्त को ज्ञापन सौंपती जाती जनवादी महिला समिति की सदस्य।

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के आह्वान पर पीडीएस के तेल के रेट में 150 गुणा बढ़ोतरी करने व काटे गए बीपीएल राशन कार्डों के खिलाफ जनवादी महिला समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान बिमला घनघस ने की व मंच संचालन जिला सचिव अनुराधा ने किया। उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर तुरंत प्रभाव से बढ़ोतरी वापस लेने व काटे गए बीपीएल राशनकार्ड बहाल करने की मांग की। इस मौके पर महिला नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा राज्य सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा दिए जा रहे खाद्य तेल पर दो लीटर की बोतल जो 40 रुपये में मिलती थी, अब वह 100 रुपये की देने का निर्णय गरीब तबके पर भारी बोझ डाल दिया है, इससे महंगाई बढ़ने के कारण गरीब की थाली छोटी हो जाएगी। यह निर्णय जनविरोधी हैं, हम इन्हें तुरन्त वापस लेने की मांग करते हैं। पिछले दिनों फैमिलि आईडी में रातों रात गलत तरीके आय बढ़ने के चलते लाखों गरीब परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड काटे गए हैं, ये भी जानकारी मिली हैं कि आय बढ़ने का कारण काफी गरीब परिवारों की फैमिलि आईडी में चार पहिया वाहन जोड़ दिए गए हैं। इस मौके पर जनवादी महिला समिति की नेता बिमला घनघस, अनुराधा, स्नेह खेडी, गंगा, राजबाला, बबीता, मूर्ति, नीता, आदि मौजूद थी।

बड़ा आंदोलन की चेतावनी

गरीबी रेखा के राशन कार्ड काटे जाने के चलते गरीब परिवारों के सामने अपने परिवार का पालन पोषण करने का संकट खड़ा हो गया हैं। महिला समिति नेताओं ने चेतावनी दी कि जल्द मांगों का समाधान नही किया तो समिति सरकार के इस फैसले को जनता के बीच लेकर जायेगी ओर बड़ा आन्दोलन खड़ा करेगी।

सीवर ओवरफ्लो, समाधान को लेकर किया प्रदर्शन

- पूरे शहर में सीवर व्यवस्था ठप तथा नागरिक पी रहे गंदा पानी: कामरेड ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सीवर ओवरफ्लो की समस्या के समाधान को लेकर विरोध जताते जनसंघर्ष समिति के सदस्य व क्षेत्रवासी।

जनसंघर्ष समिति ने स्थानीय नागरिकों को लेकर हनुमान गेट रोड पर पीपलीवाली जोहड़ी के सामने तीन गलियों में सीवर ओवरफ्लो की सफाई की मांग को लेकर जिला प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जनसंघर्ष समिति के संयोजक एवं माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि इन गलियों में पिछले चार-पांच वर्षों से सीवरेज व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। इन गलियों के सीवरेज दादरी रोड से जुड़े हुए हैं तथा मामूली बारिश में ओवरफ्लो हो जाते है और गलियां पानी से भर जाते हैं, जिससे आमजन व स्कूली बच्चों को आने जाने में भारी परेशानी होती है। उन्होंने समस्या के समाधान को लेकर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया है, नागरिकों की शिकायत भी विभाग में दर्ज है, लेकिन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन गलियों के नागरिकों के घरों में भी पीने के लिए गंदा पानी आ रहा है।

जनप्रतिनिधि नींद में सोए

उन्होंने कहा कि पूरे भिवानी शहर में गलियों में पानी भरा है, सीवरेज व्यवस्था ठप हो चुकी है। शहर के नागरिक गंदा पानी पीने को मंजबूर है और जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि कुम्भकरणी नींद में सोए हुए है। इस अवसर पर राजेंद्र शर्मा, बलवान सिंह दरोगा, राजबीर शर्मा, बिजेंद्र ठेकेदार, महिला नेत्री मूर्ती आदि शामिल रहे।

भाकियू ने बिजली अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू। बिजली निगम अधिकारियों को मांगों संबंधी ज्ञापन देते भाकियू के पदाधिकारी व सदस्य।

बिजली निगम संबंधी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाकियू के ब्लॉक प्रधान रविंद्र कस्वां की अध्यक्षता में बिजली निगम अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों से पैंडिंग ट्यूबवेल कनेक्शन, जले हुए ट्रांसफार्मर व केबल तथा क्षतिग्रस्त बिजली खंबों को लेकर जानकारी ली। जिला प्रधान मेवासिंह आर्य ने बताया कि बिजली निगम द्वारा दी गई जानकारी से संतुष्ट हैं। जानकारी अनुसार लोहारू पावर हाउस में 117 बिजली ट्यूबवेल कनेक्शन आवेदन किए गए, जिनमें से 110 बिजली ट्यूबवेल कनेक्शन जारी कर दिए, जबकि सात कनेक्शन किसी कारणवश पेंडिंग हैं। भाकियू के जिला प्रधान मेवा सिंह आर्य और आजाद सिंह भूगंला प्रदेश सचिव, ब्लॉक संयोजक रामसिंह शेखावत, हवासिंह बलोदा, सुमेर सिंह, सुरत सिंह, नरेंद्र, धर्मपाल, सुमेर सिंह, जयसिंह, चन्द्रभान आदि ने बिजली निगम अधिकारियों के समक्ष प्रस्ताव रखा कि जले हुए ट्रांसफार्मर केबल, क्षतिग्रस्त बिजली के खंभे को भी दुरूस्त किया जाए, ताकि भविष्य में किसानों को दिक्कत का सामना न करना पड़े।

समारोह में अथाह भीड़ ने पहुंचकर इतिहास में जोड़ा नया अध्यायः मामन

- सरकार ने अपने एक वर्ष कार्यकाल में प्रजापति समाज को जितना मान व सम्मान दिया है, उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मामन चंद और रमेश टांक

नगर परिषद के पूर्व वाइस चेयरमैन मामन चंद व आयोजन समिति के सदस्य रमेश टांक ने कहा कि कल भिवानी में सम्पन हुई राज्य स्तरीय महाराजा प्रजापति जयंती समारोह में उमड़ी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि प्रदेश की प्रजापति समाज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के प्रति पूरी तरह से समर्पित है। उन्होंने कहा कि गर्मी व भारी उमस के बावजूद समारोह में पहुंचे हजारों लोग पांच घंटे से ज्यादा समय तक समारोह कार्यक्रम में डटे रहे और उनमें समारोह के प्रति गजब का उत्साह था। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने एक वर्ष कार्यकाल में प्रजापति समाज को जितना मान व सम्मान दिया है,उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि समारोह में सीएम ने प्रजापति समाज की सभी मांगे पूरी कर दी। जिसके लिए वे तथा उनका समाज पूरी तरह से आभारी है। उन्होंने कहा कि कल हुई रैली ने ये साबित कर दिया कि प्रजापति समाज के लोक मंत्री रणबीर सिंह गंगवा की एक आवाज पर पूरा समाज एकत्रित हो सकता है। मामन चंद व रमेश टांक ने समारोह में पहुंचे प्रदेश के कौने कौने से लोगों का तहेदिल से आभार जताया और कहा कि समारोह के जरिए पूरे प्रदेश में समाज की एकजुटता की मिसाल का संदेश गया है।

शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए तैयार किया हजारों लीटर गंगाजलः महंत वेदनाथ

जोगीवाला शिव मंदिर के सरोवर में गंगाजल विसर्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। जोगीवाला शिव मंदिर के शिव सरोवर में गंगाजल विसर्जित करते महंत वेदनाथ महाराज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

छोटी काशी के प्रसिद्ध जोगीवाला शिव मंदिर धाम स्थित शिवालय में शिव लिंग पर श्रावण माह के प्रथम सोमवार को गंगाजल अभिषेक किया। जोगीवाला शिव मंदिर धाम के शिव सरोवर में महंत वेदनाथ महाराज ने गौमुख, गंगोत्री और हर की पौड़ी गंगा नदी सहित अनेक तीर्थ से लाया गया जल विसर्जन कर आचमन व जल तैयार किया है, ताकि सरोवर से जल लेकर जोगीवाला शिव मंदिर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जा सके। वहीं महंत वेदनाथ द्वारा मंदिर में चार पहर की पूजा अर्चना शुरू की, जो हर सोमवार व शिवरात्रि तक जारी रहेगी।

भगवान शिव की महिमा पर प्रकाश डाला

महंत वेदनाथ ने भगवान शिव व सोमवार की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान शिव को पूजा के लिए सोमवार का दिन अति प्रिय होता है। भोले के भक्त सोमवार के दिन ही भोले की पूजा अर्चना करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रावण का सोमवार भगवान शिव को का आराध्य होता हैं। श्रावण माह में भोले सौम्य हो जाते हैं, इसलिए सोमवार के दिन की पूजा को अति महत्व माना जाता है। उन्होंने कहा कि श्रावण माह भोले की पूजा का विहंगम दृश्य होता है, तो वहीं वायुमंडल वह प्रकृति से भी यह श्रावण माह जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रथम सोमवार के दिन जोगीवाला शिव मंदिर धाम में बने शिव सरोवर में गोमुख, गंगोत्री, हरिद्वार हर की पौड़ी सहित अनेक स्थानों से लाया गया। गंगाजल विसर्जन कर आचमन व गंगाजल तैयार किया है, ताकि शिव भक्त यहां से जल लेकर मंदिर में शिवलिंग पर चढ़ा सके। इस अवसर पर महंत वेदनाथ महाराज, प्रदीपनाथ, गोपालनाथ, राजेश गोदारा, प्रवीण गोयल, मास्टर गोपाल कृष्ण, अशोक शर्मा, जयभगवान रानी सती, समाजसेवी अशोक कुमार भारद्वाज ने शिव सरोवर में गंगाजल विसर्जन किया।